



जज अदालत उपजिला कलक्टर मुकाम मण्डावर जिला दौसा
लोकेश वगैरह बनाम रत्तीराम वगैरह

किस्म मुकदमा - राज. काश्तकारी अधिनियम 1955 धारा 88, 188

मुकदमा संख्या 37/22

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय ईनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
09.03.2024	<p>लोकेश पुत्र श्री जगदीश जाति मीना निवासी उकरुंद तहसील मण्डावर जिला दौसा</p> <p>.....वादी</p> <p>बनाम</p> <p>1. रत्तीराम पुत्र छाज्या जति मीना निवासी उकरुंद तहसील मण्डावर जिला दौसा वगैरह</p> <p>.....प्रतिवादीगण</p> <p>दावा अन्तर्गत धारा 88, 188 राज. काश्तकारी अधिनियम 1955</p> <p>उपस्थित 1. श्री जितेन्द्र सिंह गुर्जर एडवोकेट- वादी 2. वादी स्वयं</p> <p><u>निर्णय</u></p> <p>दिनांक 09.03.2024</p> <p>आज पत्रावली राष्ट्रीय लोक अदालत कैम्प महवा में पेश हुई। वादी की ओर से प्रार्थना पत्र बाबत विज्ञो किया जाने वाद पत्र पेश किया। वादी ने अवगत कराया कि उनवानी प्रकरण में आगे कोई न्यायिक कार्यवाही नहीं चाहता हूं। मेरा वाद स्थगन कर यही पर समाप्त करने की कृपा करे। मैं उनवानी प्रकरण को आगे नहीं चलाकर विज्ञो करना चाहता हूं। इस प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर उनवानी प्रकरण को विज्ञो किये जाने की इजाजत फरमाई जाकर वादपत्र को विज्ञो के आधार पर खारिज फरमाने हेतु निवेदन किया है।</p> <p>हमने वादी व उनके वकील को सुना एवं पत्रावली का अवलोकन किया। दावा अभी प्रारंभिक स्टेज पर है। दावा के प्रत्याहरण की अनुमति देने में कोई विधिक अडचन नहीं होने से प्रार्थना पत्र बाबत किये जाने विज्ञो दावा घोषणा खातेदारी एवं स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है। दावा घोषणा खातेदारी एवं स्थाई निषेधाज्ञा को इसी स्तर पर विज्ञो के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।</p> <p>निर्णय सुनाया गया।</p>	


सदस्य
राजस्व अधिकारी
राष्ट्रीय लोक अदालत
बैंच महवा


न्यायिक अधिकारी
राष्ट्रीय लोक अदालत
बैंच महवा

